

19⁰⁹/₂₄

वकील वकील प्रवीण वकूलन फीकेन
रपस्थित/अनुपस्थित/श्रीमान पीताम्बरी
अधिकार महोदय के पत्र/र/1
पर है अतः पत्रवली बसो रूपा
दिनांक 22¹⁰/₂₄ को पेश हो
रिप

22¹⁰/₂₄

पत्रावली आज पेश हुई वकील प्रवीण वकूलन उपा
पुनः बहस सुनी गयी वारं आदेश पत्रावली दिनांक
06.11.24 को पेश हो

५

06¹¹/₂₄

आज यह पत्रावली पेश हुई पत्रावली का
अवलोकन किया गया वरुं भाषा व मूल प
मनन किया गया । एका वरुं स्वीकार किया
जाता है निष्पत्तय उक्त के लिए जाया जाय
साक्षि वि विव है पत्रावली के लिये म
होकर नमूने से मने हो काड तकनीक जाय
साक्षि उक्त हो

५

(राधेश्याम भीषण ।
उपजुड आदेशकारी
मुसल